संरक्षण एवं फल मूल्य संवर्धन पर कार्यशाला

प्रशिक्षण कार्यक्रम



कार्यक्रम में उपस्थित किसान व विशेषज्ञ। ● सौ. विभाग

संवाद सूत्र, रोह नवादा : कृषकों की पारंपरिक एवं स्थानीय फसल-बागवानी किस्मों के संरक्षण, मूल्य संवर्धन और बाजार से बेहतर जुड़ाव के उद्देश्य से रोह प्रखंड के ग्राम कसमारा में एक दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा लखनऊ, बिहार राज्य जैव विविधता परिषद, पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र, नवादा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य उद्देश्य स्थानीय फल किस्मों के संरक्षण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसानों की आय एवं समृद्धि बढ़ाना था। फसल सुधार एवं जैव-प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान विज्ञानी डा. संजय कुमार सिंह ने किसानों को आम, अमरूद, नींबू, करौंदा, बेल, आंवला एवं कटहल जैसी पारंपरिक फल किस्मों के संरक्षण और पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों के पास उपलब्ध विशिष्ट एवं उपयोगी किस्मों का संरक्षण और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण कृषक अधिकारों की रक्षा तथा जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विरासत वृक्षों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में प्रखंड उद्यान अधिकारी विकास कुमार ने जैव विविधता संरक्षण, स्थानीय किस्मों के महत्व तथा लीची एवं आम के वृक्षों में कीट-व्याधि प्रबंधन की तकनीकों पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र, नवादा के उद्यानिकी विशेषज्ञ डा. शशांक शेखर सिंह एवं पशु विज्ञान विशेषज्ञ रजत रंजन भी उपस्थित रहे।